हिंदी साहित्य परिषद्

About the Society:

हंसराज कॉलेज के हिंदी विभाग का 'हिंदी साहित्य परिषद्' दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वाधिक सक्रिय एवं गतिशील साहित्यिक-सांस्कृतिक समितियों में अग्रगण्य है। हिंदी साहित्य परिषद् विभाग के सभी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व-निर्माण एवं समग्र-विकास के लिए अपेक्षित अकादमिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं छात्रोपयोगी गतिविधियों का आयोजन करती है।

यद्यपि कॉलेज के हिंदी विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी हिंदी साहित्य परिषद् के पदेन सदस्य होते हैं, तथापि परिषद् के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक वर्ष इसकी कार्यकारिणी का औपचारिक गठन किया जाता है। विभाग का कोई एक वरिष्ठ प्राध्यापक परिषद् के परामर्शदाता के दायित्व का निर्वहन करता है एवं अन्य प्राध्यापक भी सक्रिय सहयोग हेतु परिषद् में शामिल होते हैं। परिषद् की कार्यकारिणी में सभी कक्षाओं के विद्यार्थी प्रतिनिधि के रूप में मनोनित किए जाते हैं।

हिंदी साहित्य परिषद् प्रत्येक वर्ष अपने नवागत छात्रों का 'स्वागत समारोह', स्नातक के तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 'विदाई (शुभकामना) समारोह' तथा विभागीय साहित्योत्सव 'प्रतिमान' का आयोजन करता है। इसके अतिरिक्त परिषद् के तत्वावधान में ही हिंदी विभाग अपने समस्त अकादमिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे कि संगोष्ठियों, काव्य-गोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि तथा अनेकानेक छात्रोपयोगी गतिविधियों जैसे स्वरचित कविता-पाठ प्रतियोगिता, स्वरचित कहानी-पाठ प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन करता है। हिंदी साहित्य परिषद् अपनी गतिविधियों की रचनात्मकता एवं लोकप्रियता के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय के समस्त छात्रों की जिज्ञासा एवं आकर्षण का केंद्रबिंदु बना रहता है।

Convener name :

डॉ. नीतू शर्मा

Co-conveners and members (from the faculty), if any

डॉ. राजमोहिनी सागर, डॉ. राजेश कुमार शर्मा

Student members (wih positions held)

अध्यक्ष – नितेश मिश्रा (तृतीय वर्ष)
उपाध्यक्ष – शैलेन्द्र गुप्ता (तृतीय वर्ष)
कार्यक्रम संयोजक – महिपाल दान चारण (तृतीय वर्ष)
कोषाध्यक्ष – अंकित यादव (तृतीय वर्ष)
सचिव – कुमार मंगलम (द्वितीय वर्ष)
उपसचिव - दीक्षा यादव (द्वितीय वर्ष)

Report of EVERY EVENT/workshop/seminar organized/participated in the Academic Year 20-21 (Chronology: latest to oldest) in the following lay out:

गतिविधि संख्या – 1 : अंतर महाविद्यालय कहानी पाठ प्रतियोगिता

दिनांक 9 अप्रैल 2021 को हिंदी साहित्य परिषद् , हिंदी विभाग हंसराज महाविद्यालय द्वारा 'अंतर महाविद्यालय कहानी पाठ प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। विभिन्न महाविद्यालयों से विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। अनेक समसामयिक और शाश्वत विषयों पर प्रतिभागियों ने कहानी पाठ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर रमा जी ने किया। उन्होंने आयोजकों एवं प्रतियोगियों को अपनी शुभकामनाएं दी। स्वागत वक्तव्य विभाग प्रभारी डॉ. राजेश शर्मा ने दिया। निर्णायक की भूमिका में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार सुधांशु एवं हंसराज कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार मिश्र रहे। कहानियों पर टिपण्णी करते हुए डॉ. सुनील कुमार सुधांशु ने कहा कि जिस उम्र की प्रतिभाओं ने कहानी का पाठ किया वे कहानियां उनकी उम्र से आगे की हैं, उनके विषय एवं कथ्य में वैविध्य है, वर्तमान की समस्याएं हैं। परिणाम की घोषणा करते हुए डॉ. विजय कुमार मिश्र ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्वाति झा (किरोड़ीमल कॉलेज), द्वितीय स्थान कुमार मंगलम (हंसराज कॉलेज) एवं तृतीय स्थान लक्ष्मी (मोतीलाल नेहरु कॉलेज) को प्राप्त हुआ एवं प्रोत्साहन पुरस्कार पूजा यादव (मोतीलाल नेहरू कॉलेज) एवं सुमन (गार्गी कॉलेज) को दिया गया। आयोजन में हिंदी विभाग के लगभग सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी शामिल रहे। हिंदी साहित्य परिषद की संयोजिका डॉ.

नीतू शर्मा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिन्दी साहित्य परिषद्
हिन्दी विभाग, हंसराज महाविद्यालय

आयोजित करता है -

अंतर महाविद्यालय कहानी पाठ प्रतियोगिता

दिनांक - ३१ मार्च २०२१ समय - अपराह्न १ बजे

नियमावली :-

१. प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए कहानी का स्वरचित एवं मौलिक होना अनिवार्य है।
२. प्रत्येक महाविद्यालय से अधिकतम दो प्रविष्टियां स्वीकार्य हैं।
३. कहानी पाठ के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को कुल ६ मिनट का समय दिया जाएगा।
४. अपनी रचना भेजने से पूर्व दिए गए गूगल फॉर्म को अवश्य भरें।
५. रचना भेजने की अंतिम तिथि - २८ मार्च २०२१
६. अपनी रचना इस पते पर भेजें - hrchindisahitya@gmail.com
७. चयनित प्रविष्टियों को ही पाठ करने का मौका दिया जाएगा।

डॉ. राजेश शर्मा
प्रभारी, हिन्दी विभाग

डॉ. नीतू शर्मा
परामर्शदात्री, हिंदी साहित्य परिषद्

गतिविधि संख्या – 2 : 'पुस्तक चर्चा एवं लेखक से संवाद'

हंसराज कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा 17 मार्च 2021 को संगोष्ठी कक्ष में आयोजित 'पुस्तक चर्चा एवं लेखक से संवाद' में यूक्रेन के प्रवासी साहित्यकार के उपन्यास '3020 ई' चर्चा हुई जिसमें डॉ. भारती अग्रवाल और प्रो.रमा जी ने अपने विचार रखे। डॉ. भारती ने कहा यह उपन्यास भविष्य के गर्भ में पल रही समस्याओं के लिए आगाह करती है। वक्तव्य के बाद वहां उपस्थित श्रोताओं ने उपन्यासकार से सवाल पूछे जिसका उन्होंने संतोषजनक उत्तर दिया। कार्यक्रम का संयोजन हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा एवं परिषद् की परामर्शदात्री डॉ. नीतू शर्मा ने किया तथा संचालन डॉ. महेन्द्र प्रजापति ने किया।

गतिविधि संख्या – 3 : 'तुलसी के राम' विषय पर वेब गोष्ठी

हंसराज कॉलेज के हिंदी विभाग एवं हिंदी साहित्य परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 14 फरवरी को 'तुलसी के राम' विषय पर एक वेब-गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा के सान्निध्य में संभव हुआ। विभाग के ही प्राध्यापक डॉ. प्रभांशु ओझा ने गोष्ठी का संचालन कुशलतापूर्वक किया। विभाग प्रभारी डॉ. राजेश शर्मा ने वेब-गोष्ठी में उपस्थित सभी प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. अनिल राय का परिचय देते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्विद्यालय के हिंदी विभाग में प्राध्यापक डॉ. अनिल राय तुलसी साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान हैं। तत्पश्चात् कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा जी का उद्बोधन हुआ।

इसके बाद मुख्य वक्ता प्रो. अनिल राय ने विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने वाल्मीकि, भवभूति, निराला, एवं नरेश मेहता के राम सम्बन्धी विविध सन्दर्भों को जोड़ते हुए अपनी बात तुलसी के राम पर केंद्रित की। 'तुसली के राम' के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. अनिल राय ने राम के जीवन के अनेक पहलुओं की भी चर्चा की। साथ ही उन कारणों की भी चर्चा की जिनसे तुलसी के राम भारतीय जनमानस में रचे बसे हैं।

हिंदी साहित्य परिषद् की परामर्शदात्री डॉ. नीतू शर्मा ने गोष्ठी के सफल आयोजन के लिए सबको बधाई दी एवं भविष्य में ऐसे ही काम करते रहने की सलाह दी। परिषद् की कार्यकारी समिति ने आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।

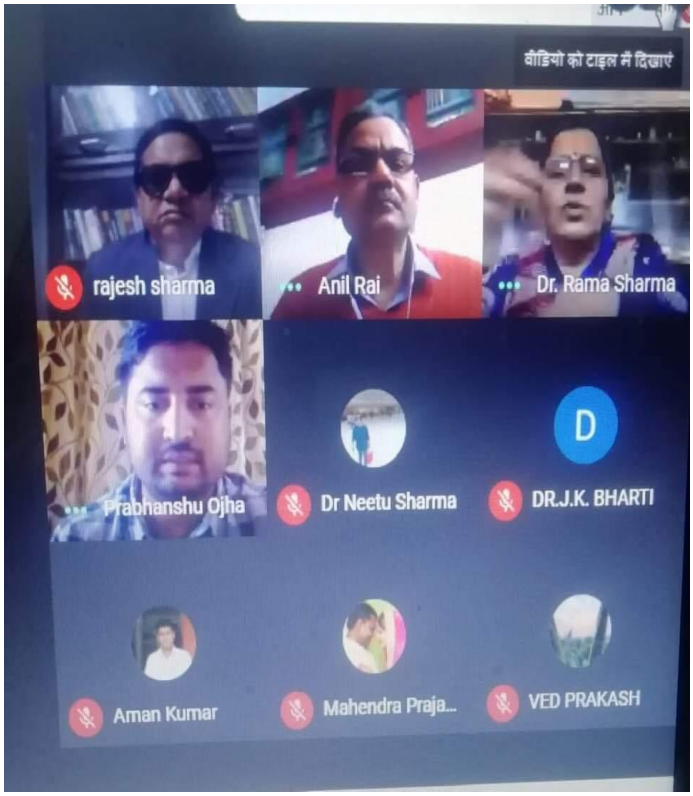

गतिविधि संख्या - 4 : वर्चुअल नवागत विद्यार्थी स्वागत समारोह

हिंदी साहित्य परिषद, हिंदी विभाग ने 23 जनवरी 2021 को माइक्रोसॉफ्ट टीम के मंच पर अपने नवागत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन स्वागत समारोह का आयोजन किया। विभाग के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से समारोह का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात् विभाग प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। इसके बाद परिषद् से जुड़े विद्यार्थियों ने एक विडियो प्रस्तुति के माध्यम से विभाग की परंपरा एवं गतिविधियों से प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का परिचय कराया। समारोह का प्रमुख आकर्षण कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा जी का उद्बोधन रहा जिसमें

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य प्राप्त करने हेतु परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रथम वर्ष के प्रायः सभी विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया। इसके बाद अनेक विद्यार्थियों ने कविता, गीत, नृत्य, चित्रकला आदि के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में परिषद् की परामर्शदात्री डॉ. नीतू शर्मा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

गतिविधि संख्या – 5 : ओरिएंटेशन कार्यक्रम

हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग ने 17 नवंबर 2020 को अपने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा जी ने नवागत विद्यार्थियों को विभाग के इतिहास एवं उसकी गतिविधियों से परिचित कराया। साथ ही, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व विभाग प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने सभी उपस्थित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। इसके बाद डॉ. विजय कुमार मिश्र ने हिंदी विशेष के पाठ्यक्रम से प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का अवगत कराया। तत्पश्चात् डॉ. मनीष ने विद्यार्थियों को माइक्रोसॉफ्ट टीम पर चलने वाली ऑनलाइन कक्षाओं एवं उसके तकनीकी पहलुओं से परिचित कराया। इसके अतिरिक्त विभाग के सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। अंत में परिषद् की परामर्शदात्री डॉ. नीतू शर्मा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

गतिविधि संख्या - 6 : 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं भारतीय भाषाएँ' विषय पर वेब-गोष्ठी

19 सितंबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं भारतीय भाषाएँ' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेब-गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस वेब-गोष्ठी के मंच से कॉलेज की प्राचार्या एवं हिंदी की सुप्रसिद्ध लेखिका प्रो. रमा ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए अखिल भारतीय हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। कोविड-19 की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस अभियान की शुरुआत चेंज डॉट ऑर्ग नामक वेब पोर्टल के माध्यम से की गई। राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द, उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु,

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भारत सरकार के गृह मंत्री श्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक आदि को संबोधित इस ऑनलाइन याचिका में हिंदी को अविलंब भारत की एकमात्र राजभाषा और अंततः राष्ट्रभाषा बनाने की मांग की गई है। प्रो. रमा ने सैंकड़ों श्रोताओं के सामने यह कहा कि एक विदेशी भाषा का वर्चस्व रहते न तो महात्मा गाँधी का स्वराज्य संभव है न ही प्रधानमंत्री मोदी का आत्मनिर्भर भारत। उन्होंने केंद्र की वर्तमान सरकार पर विश्वास जताते हुए कहा कि अगर धारा 370 हट सकती है, राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो सकता है तो यह सरकार एक दिन हिंदी को राष्ट्रभाषा भी बना सकती है। आवश्यकता है तो केवल जन-जागरण की, व्यापक जन-समर्थन की।

इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं की स्थिति पर मॉरीशस के महात्मा गांधी केंद्र से जुड़ीं डॉ. अंजलि चिंतामणि, राष्ट्रवादी लेखक संघ के अध्यक्ष डॉ. यशभन सिंह तोमर, गगनांचल पत्रिका के संपादक डॉ. आशीष कांधवे और हिंदुस्तानी भाषा अकादेमी के अध्यक्ष डॉ. सुधाकर पाण्डेय ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। गोष्ठी में हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शर्मा और आयोजन समिति से जुड़े डॉ. प्रभांशु ओझा, डॉ. महेंद्र प्रजापति और डॉ. मनीष भी उपस्थित रहे।

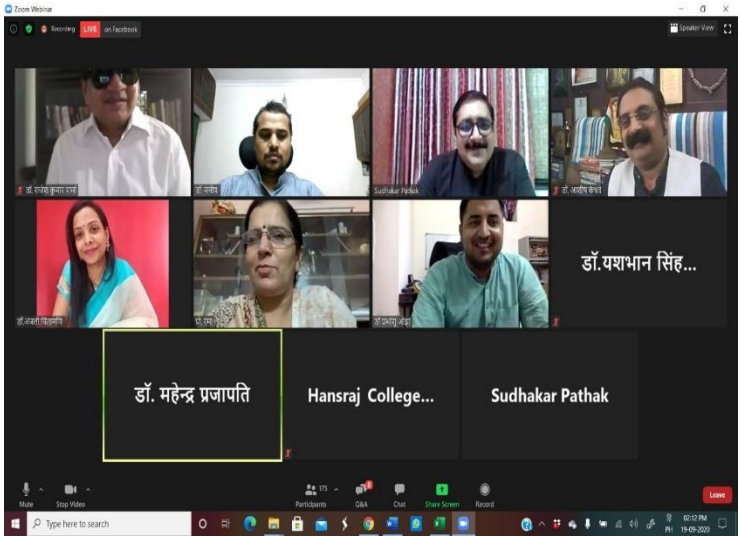

हंसराज कॉलेज ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए शुरू की मुहिम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के हंसराज कॉलेज की ओर से हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए मुहिम शुरू की गई है। महात्मा गांधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का देश राष्ट्रभाषा विहीन क्यों है, इस प्रश्न के साथ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रमा ने शनिवार को वेबिनार के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान डॉ. रमा ने अखिल भारतीय हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। वेबिनार का विषय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं भारतीय भाषाएं' था। वेबिनार के वक्ता गगनांचल के संपादक डॉ. आशीष कंधवे, राष्ट्रवादी लेखक संघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. यशभान सिंह तोमर, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट मॉरीशस की डॉ. अंजलि चिंतामणि और हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुधाकर पाठक रहे। इस दौरान रमा ने कहा कि इस अभियान से अन्य राज्यों में हिंदी के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को भी जोड़ा जाएगा। वहीं हंसराज कॉलेज हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा कार्यक्रम के संयोजक, डॉ. मनीष सहसंयोजक और डॉ. महेंद्र प्रजापति समन्वयक रहे।

हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का अभियान शुरू

नई दिल्ली। हंसराज कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं भारतीय भाषाएं विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेब-गोष्ठी का आयोजन हुआ। मंच से कॉलेज की प्राचार्या एवं हिंदी की सुप्रसिद्ध लेखिका डॉ. रमा ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए अखिल भारतीय हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द, पीएम नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक आदि को संबोधित ऑनलाइन याचिका में हिंदी को अविलंब भारत की एकमात्र राजभाषा और अंततः राष्ट्रभाषा बनाने की मांग की गई है। डॉ. रमा ने केंद्र की वर्तमान सरकार पर विश्वास जताते हुए कहा कि सरकार एक दिन हिंदी को राष्ट्रभाषा भी बना सकती है। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं की स्थिति पर मॉरीशस के महात्मा गांधी केंद्र से जुड़ी डॉ. अंजलि चिंतामणि, राष्ट्रवादी लेखक संघ के अध्यक्ष डॉ. यशभन सिंह तोमर, गगनानांचल पत्रिका के संपादक डॉ. आशीष कांधवे और हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुधाकर पाण्डेय ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए ।

गतिविधि संख्या – 7 : स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता

हिंदी साहित्य परिषद् के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर 13 सितम्बर 2021 को विभाग प्रभारी डॉ. राजेश शर्मा एवं प्राध्यापक डॉ. नृत्यगोपाल शर्मा के संयोजन में कुशलतापूर्वक स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कई विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। उक्त कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रभांशु ओझा रहे।

इस प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा -

प्रथम पुरस्कार - प्रियंका (गणित ऑनर्स)
द्वितीय पुरस्कार - शिवम सिंह (हिंदी ऑनर्स)
तृतीय पुरस्कार - शुभम शर्मा (केमिस्ट्री ऑनर्स)

प्रोत्साहन पुरस्कार
वैशाली
हर्षित अग्रवाल

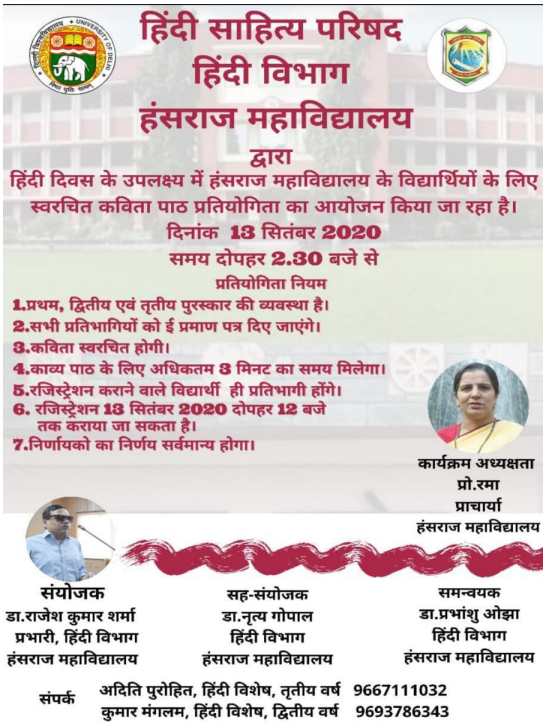

गतिविधि संख्या – 8 : 'जीवन मूल्य और रामचरितमानस'

27 मई 2020 हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज कॉलेज द्वारा ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'जीवन मूल्य और रामचरितमानस' विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में हिंदी विभाग, हंसराज कॉलेज के प्राध्यापक डॉ.राजेश शर्मा ने विद्वत्तापूर्ण तथा सरस व्याख्यान दिया। मानस को भारतीय समाज व्यवस्था का आधार बताते हुए आपने कहा कि हमारा समाज जिस एकसूत्रता में बंधा हुआ है उसमें मानस का बड़ा योगदान है। आपने मानस से अनेक उद्धरण देते हुए व्याख्यान को रोचक बना दिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो.रमा ने कहा कि मानस पाठ जीने की कला सिखाता है। इस ग्रन्थ ने भारतीय संस्कृति को सरहदों के पार पहुँचाया है। गोस्वामी जी की जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा आयोजित यह संगोष्ठी राष्ट्र संत का स्मरण है। इस अवसर पर हम गोस्वामी जी को सदर नमन करते हैं।

महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी तथा विद्यार्थियो इस संगोष्ठी में जुड़े हुए थे। लगभग 125 की संख्या में जुड़े प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। हिंदी साहित्य परिषद् की परामर्शदात्री डॉ.नीतू शर्मा ने प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। हिंदी विभाग हंसराज कॉलेज के प्राध्यापक डॉ.नृत्य गोपाल ने संगोष्ठी का संयोजन संचालन किया।

गतिविधि संख्या – 9 : ऑनलाइन युवा काव्य-गोष्ठी 'आभार'

17 मई 2020 को हंसराज कॉलेज के हिन्दी विभाग ने कोरोना योद्धाओं के सम्मान में कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा जी की प्रेरणा से एक ऑनलाइन युवा काव्य-गोष्ठी 'आभार' का सफल आयोजन किया। गोष्ठी का उद्घाटन वक्तव्य देते हुए प्रो. रमा ने कहा कि 'देश और दुनिया एक अदृश्य शत्रु कोरोना विषाणु से युद्धरत है। इस युद्ध में चिकित्सक, पुलिस, अन्य स्वास्थ्यकर्मी, सफाईकर्मी, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति में लगे लाखों लोग कोरोना-योद्धा हैं। देश और दुनिया भर में कोरोना योद्धा ही हैं जो इस विषाणु और आम नागरिकों की सुरक्षा के बीच में दीवार बनकर खड़े हैं। निश्चय ही एक संवेदनशील समाज के रूप में हमें इन योद्धाओं का सम्मान करना चाहिए।'

इस युवा काव्य-गोष्ठी में कवि के रूप में डॉ. महेंद्र प्रजापति, शैलेन्द्र 'शैल', डॉ. प्रभांशु ओझा, सुशांत शर्मा, प्रतिभा दूबे और नितेश मिश्र ने शिरकत की। गोष्ठी की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कवि डॉ. लक्ष्मीशंकर बाजपेयी ने की। बाजपेयी जी ने सभी युवा कवियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कहा कि इस गोष्ठी में सुनाई गई कविताएं वास्तव में कविता हैं। बाजपेयी जी

ने कोरोना योद्धाओं के सम्मान में कुछ नई कविताएं तो सुनाई ही, साथ ही अपनी सुप्रसिद्ध कविता से दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर दिया।

'आभार' काव्य-गोष्ठी में कॉलेज एवं हिंदी विभाग के अनेकों प्राध्यापकों सहित देश-विदेश के सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया। गोष्ठी में स्वागत वक्तव्य हिन्दी विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने दिया, वहीं गोष्ठी के संयोजक डॉ. मनीष ने सभी आमंत्रित कवियों एवं श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना योद्धाओं की याद में कवि सम्मेलन

नई दिल्ली। हंसराज कॉलेज के हिन्दी विभाग ने कोरोना योद्धाओं के सम्मान में कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा की प्रेरणा से एक ऑनलाइन युवा काव्य-गोष्ठी 'आभार' का सफल आयोजन किया। गोष्ठी का उद्घाटन वक्तव्य देते हुए प्रो. रमा ने कहा कि 'देश और दुनिया एक अदृश्य शत्रु कोरोना विषाणु से युद्धरत है। इस युद्ध में चिकित्सक, पुलिस, अन्य स्वास्थ्यकर्मी, सफाईकर्मी, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति में लगे लाखों लोग कोरोना-योद्धा हैं। इस युवा काव्य-गोष्ठी में कवि के रूप में डॉ. महेंद्र प्रजापति, शैलेन्द्र 'शैल', डॉ. प्रभांशु ओझा, सुशांत शर्मा, प्रतिभा दुबे और नितेश मिश्र ने शिरकत की। गोष्ठी की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कवि डॉ. लक्ष्मीशंकर बाजपेयी ने की। प्रभांशु ओझा की डॉक्टर्स को समर्पित कविता परनाम डॉक्टर साहब भी खूब पसंद की गई। महेन्द्र प्रजापति ने जहाँ अपनी कविताओं में चाइना की साजिश की ओर इशारा किया वहीं प्रतिभा दुबे की कविता वर्दी खूब सराही गई। बाजपेयी ने अपनी सुप्रसिद्ध कविता से दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। गोष्ठी में स्वागत वक्तव्य हिन्दी विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने दिया, वहीं गोष्ठी के संयोजक डॉ. मनीष ने सभी आमंत्रित कवियों एवं श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।

कोरोना योद्धाओं का सम्मान करना चाहिए : प्रो.रमा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: देश और दुनिया एक अदृश्य शत्रु कोरोना वायरस से युद्धरत है। इस युद्ध में चिकित्सक, पुलिस, अन्य स्वास्थ्यकर्मी, सफाईकर्मी, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति में लगे लाखों लोग कोरोना-योद्धा हैं।

देश और दुनिया भर में कोरोना योद्धा ही हैं जो इस वायरस और आम नागरिकों की सुरक्षा के बीच में दीवार बनकर खड़े हैं। निश्चय ही एक संवेदनशील समाज के रूप में हमें इन योद्धाओं का सम्मान करना चाहिए। यह बात दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर रमा शर्मा ने कोरोना योद्धाओं के सम्मान में आयोजित एक ऑनलाइन युवा काव्य गोष्ठी के दौरान कही। कॉलेज

प्रोफेसर रमा शर्मा

के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन युवा काव्य-गोष्ठी 'आभार' की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कवि डॉ. लक्ष्मीशंकर बाजपेयी ने की। महेंद्र प्रजापति ने अपनी कविताओं में चाइना की साजिश की ओर इशारा किया। वहीं, प्रतिभा दुबे की कविता वर्दी खूब सराही। गोष्ठी में विभाग प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा, गोष्ठी के संयोजक डॉ. मनीष व कवि नितेश मिश्र शामिल हुए।

गतिविधि संख्या – 10 : काव्यशास्त्र की परंपरा के चिंतन बिंदु

10 मई 2020 हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज कॉलेज द्वारा ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'काव्यशास्त्र की परंपरा के चिंतन बिंदु' विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय की डॉ. शीताभ शर्मा तथा हिंदी विभाग हंसराज कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. नृत्य गोपाल ने अपने विचार व्यक्त किये।

हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो.रमा ने संगोष्ठी के आरम्भ में काव्यशास्त्र की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान विज्ञान के विकास में काव्यशास्त्र की बड़ी भूमिका है । विद्यार्थियों को इस विषय के साथ जुड़ना चाहिए। आपने कहा कि आज की यह संगोष्ठी वक्ता और श्रोता दोनों के लिए लाभप्रद होगी।

संगोष्ठी के प्रथम वक्ता के रूप में डॉ.नृत्य गोपाल ने नाट्यशास्त्र के प्रणेता आचार्य भरत से अपनी बात आरम्भ करते हुए आचार्य जगन्नाथ तक की दीर्घ परंपरा का उल्लेख

किया। निराला की कविता “राम की शक्तिपूजा” के माध्यम से आपने काव्यशास्त्र के सभी प्रमुख सिद्धांतों का सोदाहरण विश्लेषण किया। राजस्थान विश्वविद्यालय की डॉ.शीताभ शर्मा ने भारतीय काव्यशास्त्र का मनोवैज्ञानिक पक्ष रखते हुए इसे जीवन आनंद का विषय बताया। आपने रस सिद्धांत का संबंध योग साधना से जोड़ा।

संगोष्ठी के आरम्भ में हिंदी साहित्य परिषद् की परामर्शदात्री डॉ.नीतू शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। हंसराज कॉलेज तथा विभिन्न कॉलेजों से लगभग २०० प्राध्यापक, शोधार्थी तथा विद्यार्थी इस संगोष्ठी में जुड़े रहे। वेबगोष्ठी के अंत में हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ.राजेश शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी का संचालन विभाग के प्राध्यापक डॉ.प्रभांशु ओझा ने किया।

<u>Awards and achievements in the academic year 2020-21</u>

डॉ. वेद प्रकाश

- हिंदी भाषा शिरोमणि-2021, साहित्य- मण्डल, श्रीनाथद्वारा

डॉ. विजय कुमार मिश्र

- पंडित तिलकराज शर्मा स्मृति अंतरराष्ट्रीय सृजन सेवा पदक, पंडित तिलकराज शर्मा स्मृति न्यास, अंतरराष्ट्रीय, 2021
- Dynamic teacher award, GLM College (Purnia), Centre For Gender Studies (Patna) And Patliputra Historical Society (Patna), international, 2020